Tender Heart High School, Sector-33B Chandigarh.

कक्षा - दसवीं
विषय - हिन्दी व्याकरण शिक्षिका - श्रीमती कल्पनाशर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ, दस

उपविषय : 'प्रस्ताव लेखन'

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा दसवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्यपुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग-नौ एवं दस की पृष्ठ संख्या - 45 पर दिए 'प्रस्ताव-लेखन' पर चर्चा करेंगे।

बच्चो ! प्रस्ताव लेखन वह रचना है जो विचार-बद्ध और क्रमबद्ध रूप से लिखा जाता है। 'प्रस्ताव लेखन' के विषय असीमित हैं। 'प्रस्ताव लेखन' का विषय कोई भी हो सकता है। ये सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक, वैज्ञानिक, आदि किसी भी विषय पर लिखे जा सकते हैं। संसार का हर विषय, हर वस्तु, हर व्यक्ति 'प्रस्ताव लेखन' का केन्द्र हो सकता है।

प्रस्ताव लेखन से पूर्व सभी छात्रों का विषय को ध्यानपूर्वक पढ़ना आवश्यक है। यह प्रश्न विकल्प सहित होता है। अत: सभी विकल्पों को ध्यानपूर्वक पढ़कर एवं समझकर एक उपयुक्त विषय का चुनाव करें। लिखते समय एक-दो बार प्रश्न को बीच में अवश्य पढ़ते जाएँ और यह भी ध्यान

रखें कि कुछ छूट न जाए।
सूक्तिपरक प्रस्ताव को ध्यान से पढ़ें। उस पर लेख लिखना है अथवा कहानी - निर्देश के अनुसार ही लिखें। दिए गए सूक्तिपरक प्रस्ताव को लिखते समय सूक्ति का अर्थ अवश्य लिख दें। प्रस्ताव - लेखन की भाषा सरल, शुद्ध एवं प्रभावोत्पादक होनी चाहिए।

बच्चो! प्रस्ताव लेखन में एक क्रमबद्धता होती है, जो लिखित रूप से स्वयं ही प्रस्ताव के प्रश्न में समाहित होती है।

प्रस्ताव लेखन के लिए कुछ स्मरण बिंदु हैं :-

- प्रस्ताव के विषय का चुनाव सावधानी से करना चाहिए।
- प्रस्ताव लेखन का आरंभ आकर्षक प्रस्तावना से करना चाहिए।
- विषय - सामग्री में अधिक से अधिक भावों का समावेश होना चाहिए।
- विचारों की स्पष्ट अभिव्यक्ति पर अवश्य ध्यान देना चाहिए।
- प्रस्ताव लेखन में छात्र विभिन्न विद्वानों के मतों या विचारधारा का आश्रय भी लिया जा सकता है।
- भाषा का सरल एवं सुबोध होना आवश्यक है।
- विषय की समाप्ति आकर्षक उपसंहार से करनी चाहिए।
- प्रस्ताव- लेखन में वर्तनी एवं व्याकरण संबंधी नियमों का भी ध्यान रखना चाहिए।

बच्चो! प्रस्ताव - लेखन तीन भागों में विभाजित होता है। (क) प्रारंभ (ख) कथ्य - विवेचन एवं

(ग) समापन-भाग। विषय या समस्या की गंभीरता पर विचार प्रारंभ में करना चाहिए। विवरणात्मक तथा वर्णनात्मक प्रस्तावों में कथ्य विवेचन के अंतर्गत चर्चा होती है। समापन भाग में विद्यार्थी अपने दृष्टिकोण पर आधारित प्रस्ताव का समापन करता है।

बच्चो! आपको अध्यापिका द्वारा एक विषय गृहकार्य में करने के लिए दिया जा रहा है। सभी छात्र दिए निर्देशों को ध्यान में रखकर ही प्रस्ताव को सुन्दर ढंग से स्वयं लिखने का प्रयास करेंगे।

गृहकार्य

"विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषधि है।"-कथन के आधार पर बताइए कि मानव जीवन में मित्रों का क्या महत्त्व है? वे किस प्रकार व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करते हैं? आप अपने मित्र का चुनाव करते समय किन गुणों का होना आवश्यक समझेंगे? अपने विचार स्पष्ट लिखिए।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]